अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर –दिसम्बर 2025

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 16/11/2025 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 75

सूचना :
1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य ।
2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें ।
3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे ।
4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र.1. लिपिबद्ध। (कोई तीन) (3x5=15)

1) मत्त ताल में चक्रदार परण
2) शिखर ताल में परणजुडी आमद
3) रास ताल में प्रिमलु
4) तीनताल में फरमाईशी चक्रदार
5) शिखर ताल में बेदम तिहाई

प्र.2. टिप्पणी लिखिए । (कोई 3) (3x5=15)

1) चित्रकला का नृत्य से संबंध
2) गुरु सुंदर प्रसाद
3) कथक में कवित्त
4) दशावतार संबंधी कोई भी एक कथा
5) नाट्यधर्मी

प्र.3. निम्नलिखित पात्रों की मुद्राओं का (15x1=15)
(अभिनयदर्पणानुसार वर्णन करें) ब्रह्मा, लक्ष्मी, सरस्वती, पार्वती, मत्स्य, कुर्म, वराह, नृसिंग, वामन, परशुराम, राम, बलराम, कृष्ण, कल्की, वायू।

प्र.4. कथक भाव का महत्वपूर्ण आधार 'ठुमरी'–सोदाहरणसहित (15) स्पष्ट किजिए ।

प्र.5. **पं.बिरजु महाराज जी की जीवनयात्रा और उनका कथक जगत में क्या योगदान रहा है ? जानकारी दिजिये ।** **(15)**

प्र.6. **पौराणिक साहित्य में नृत्य के संबंध।** **(15)**

प्र.7. **सही या गलत लिखिए।**

1) कजरी हिंदु कालगणना में चैत्र महिने में गाई जाती है।
2) राजा चक्रधर सिंह ने संगीत और नृत्य के अनेक ग्रंथां की रचना की है।
3) कलहांतरिता और खंडिता नायिका लगभग समान है।
4) अंग के छोटे-छोटे भागोंको प्रत्यांग कहते है।
5) जब दोनो हाथों से सर्पशीर्ष हस्त स्वस्तिकाकार में रखते है, तो उसे नागबन्ध हस्त कहते है।
6) महाराज कृष्णकुमार बनारस घराने के प्रवर्तक श्री जानकी प्रसाद जी के कुल से है।
7) ठुमरी कथक की मंदिर परंपरा की देन है।
8) उदयशंकर शैली 'ओरिएण्टल स्टाईल' के नाम से भी प्रसिद्ध है।
9) शास्त्रीय नृत्य स्वभावत: लोकधर्मी होते है।
10) क्रोध ये वीर रस का स्थाई भाव है।
11) नाट्यशास्त्र के अनुसार नायक के चार प्रकार है - धीरोध्दत, धीरललित, धीरोदात्त, धीरप्रशांत।
12) आचार्य नंदिकेश्वर ने अपने ग्रंथ अभिनय दर्पण में सर्वप्रथम नायिका का उल्लेख किया।
13) नृत्य कला का प्रमुख माध्यम मानव शरीर और मौखिक भाव है।
14) लोकनृत्य में शास्त्रीय नियमों के बंधन नही होते।
15) 'भावाभिनयहिनं नृत्यमित्याभिधीयते' यह भाव की परिभाषा है।

Exam : Visharad Purna (Second Paper)

Subject : Kathak

Date : 16/11/2025 Timing : 2 pm to 5 pm Total Marks - 75

Note : 1) Question No. 1 is compulsory.
2) Solve any 4 questions from the remaining question.
3) Total 5 questions should be solved.
4) All question carries equal marks.

Q.1. Lipibaddha. (Any 3) (3x5=15)

1) Chakradar Paran in Matta.
2) Paranjudi Amad in Shikhar.
3) Primalu in Raas.
4) Farmaishi Chakradaar in Teentaal.
5) Bedum Tihai in Shikhar.

Q.2. Write short notes. (Any 3) (3x5=15)

1) Relation of Drawing with Dance.
2) Guru Sunder Prasad.
3) Kavitta in Kathak.
4) Any one story of Dashavtar.
5) Natyadharmi

Q.3. Describe (as per abinayadarpan) the Mudras of the following characters. (15)

Brahma, Lakshmi, Saraswati, parvati,Matsya, Kurma, Varaha, Nrishimha, Vaman, Parashuram, Ram, Balaram, Krishna, Kali, Vayu.

Q.4. Important Base of Kathak Bhav - Thumeri Explain with Example. (15)

Q.5. Write the biography of Pt. Birju Maharaj JI and his contribution in the field of Kathak. (15)

Q.6. Reference of dance in mythological literature. (15)

Q.7. State whether the statements are true or false. (15)

1. Kajari is sung in the Hindu month of 'Chaitra.'
2. Raja Chakradar Singh has written many books on music and dance.
3. Kalahantarita and Khandita nayika are almost same.
4. Small parts of 'Ang' are called as 'Pratyanga'.
5. When both the palms are faced cross against eachother, in Sarpashirsha Hasta, the Hasta is known as Naagbandha.
6. Maharaj Krishna Kumar inherits the legacy of Janaki Prasadji's Banaras Gharana.
7. Thumri is a legacy cherished in Mandir Parampara.
8. Udayshankar style is also known as 'oriental style.'
9. Classical dances inherits the quality of Lokdharmi.
10. Krodh is sthai bhaav of Veer Rasa.
11. According to Natyashastra, there are 4 types of Nayak-Dhirodhat, Dhiralalit, Dhirodaat & Dhiraprashant.
12. At the first time Acharya Nandikeshwar mentioned 'Nayika's' in his book 'Abhinay Darpan'.
13. The main medium of art of dance is human body and facial expressions.
14. Folk dances don't have any restrictions of classical rules.
15. 'Bhavabhinayahinam Nruttamityabidhiyate' is the definition of Bhaav.